विषयानुक्रमणिका

प्रथम अध्याय
विषय उपस्थापन

1.1 विषय कथन

1.2 सम्बद्ध साहित्य का सर्वेक्षण

1.3 विषय परिसीमन

1.4 अध्ययन का महत्त्व

द्वितीय अध्याय

काव्य बिम्ब : परिभाषा एवं स्वरूप

2.1 बिम्ब-विधान-प्रकरण

2.2 बिम्ब-परिभाषा

2.2.1 भारतीय दृष्टि से बिम्ब की परिभाषा

2.3 बिम्ब के आधारभूत तत्त्व

2.4 बिम्बविधान-प्रक्रिया

2.4.1 प्रत्यक्षीकरण

2.4.2 अनुभूति का निर्वैयक्तिकरण

2.4.3 स्मृति पटल

2.4.4 कल्पना शक्ति

2.5 बिम्बों का वर्गीकरण

2.5.1 मनोवैज्ञानिक दृष्टि से बिम्बों का वर्गीकरण

2.5.1.1 आदिम बिम्ब

2.5.1.2 पौराणिक बिम्ब

2.5.1.3 निजन्धरी बिम्ब

2.5.2 बिम्ब- प्रक्रिया के आधार पर बिम्ब-वर्गीकरण

2.5.2.1 स्मृतिजन्य बिम्ब

2.5.2.2 स्वरचित बिम्ब

2.5.2.3 ज्ञानेन्द्रियोत्पन्न बिम्ब

2.5.2.4 नाद या संगीत प्रधान बिम्ब

2.5.3 ऐन्द्रिय आधार पर बिम्बों का वर्गीकरण

2.5.3.1. दृश्य बिम्ब

2.5.3.2. श्रव्य बिम्ब

2.5.3.3. स्पृश्य बिम्ब

2.5.3.4. घ्रातव्य बिम्ब

2.5.3.5. आस्वाद बिम्ब

2.5.4 प्रतीति के आधार पर बिम्बों का वर्गीकरण

2.5.5 वर्ण्य विषय के आधार पर बिम्बों का वर्गीकरण

2.5.5.1 रूपात्मक काव्य-बिम्ब

2.5.5.2 भावात्मक काव्य-बिम्ब

2.5.5.3 क्रियात्मक काव्य-बिम्ब

2.6 काव्य बिम्ब के प्रमुख गुण

2.6.1 प्रत्याग्रता या सादृश्यता अथवा नव्यता (फ्रेशनस)

2.6.2 संघननता या तीव्रता (इर्टेंसिटी)

2.6.3 उद्‌बोधनशीलता या भावोद्‌वेलन शक्ति (इवोकेटिवनस)

2.7 बिम्ब एवं काव्य सौन्दर्य उपादान

2.7.1 बिम्बविधान व अप्रस्तुत योजना

2.7.2 बिम्ब और अलंकार

2.7.3 बिम्ब और मिथक

2.7.4 बिम्ब और प्रतीक में अन्तर

2.8 काव्य- बिम्ब- प्रयोजन व महत्त्व

2.8.1 बिम्ब- प्रयोजन

2.8.2 बिम्ब- महत्त्व

2.9 निष्कर्ष

तृतीय अध्याय

घनानन्द तथा रसलीन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

3.1 विषय प्रवेश

3.2 घनानन्द जीवन वृत्त

3.3 रसलीन जीवन वृत्त

3.4 घनानन्द-व्यक्तित्व

3.5 रसलीन व्यक्तित्व

3.6 घनानन्द कृतित्व

3.7 रसलीन : कृतित्व

3.8 घनानन्द तथा रसलीन की बिम्ब-योजना पर तद्‌युगीन परिवेश का प्रभाव

3.8.1. सामाजिक परिस्थितियाँ

3.8.2. धार्मिक परिस्थितियाँ

3.8.3. आर्थिक परिस्थितियां

3.8.4. राजनैतिक परिस्थितियाँ

3.8.5. साहित्यिक परिस्थितियां

3.9. निष्कर्ष

द्वितीय खण्ड : व्यावहारिक पक्ष

चतुर्थ अध्याय

घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में नख-शिख एवं सौन्दर्य-विधायक-प्रसाधन-निरूपक बिम्बों का तुलनात्मक विवेचन

4.1 विषय प्रवेश

4.2 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में नायिका के अंग-उपांगों के सौन्दर्य निरूपक बिम्ब

4.2.1 अलक सौन्दर्य निरूपक बिम्ब

4.2.2 नयन सौन्दर्य निरूपक बिम्ब

4.2.3 मुख-सौन्दर्य निरूपक बिम्ब

4.2.4 उरोज सौन्दर्य विधायक बिम्ब

4.2.5 नाभि एवं रोमावली-सौन्दर्य निरूपक बिम्ब

4.3 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य बिम्बों में नायिका की भाव- भंगिमा सम्बन्धी विविध मुद्राओं का चित्रण

4.4 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में सौन्दर्य विधायक प्रसाधन एवं वस्त्राभूषण

निरूपक बिम्ब

4.5 निष्कर्ष

पंचम अध्याय

घनानन्द तथा रसलीन के दृश्यात्मक, नादात्मक, रसात्मक, गन्धात्मक एवं स्पर्शात्मक, काव्य बिम्बों में साम्य-वैषम्य

5.1 विषय प्रवेश

5.2. घनानन्द तथा रसलीन के चाक्षुष बिम्ब

5.2.1 कृष्ण-रुप सम्बन्धी चाक्षुष बिम्ब

5.3. घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में रसात्मक बिम्ब

5.4 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में नादात्मक बिम्ब सौन्दर्य

5.5 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में स्पर्शात्मक बिम्ब

5.6 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में गन्धात्मक बिम्ब सौन्दर्य

5.7. घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में मिश्रित बिम्ब

5.8 निष्कर्ष

षष्ठ अध्याय

घनानन्द तथा रसलीन के प्रेम परक काव्य-बिम्बों में साम्य-वैषम्य

6.1 विषय प्रवेश

6.2 श्रृंगार-रस के परिप्रेक्ष्य में घनानन्द तथा रसलीन के काव्य बिम्ब

6.3 रसलीन के काव्य में नायिका की श्रृंगार - परक मधुर कीड़ाओं के मनमोहक बिम्ब

6.4 घनानन्द के काव्य में नायिका की श्रृंगार -परक मधुर क्रीड़ाओं के ललित-मधुर बिम्ब

6.5 रसलीन के काव्य में नायिका भेद निरूपक बिम्ब

6.6 घनानंद के काव्य में नायिका भेद निरूपक बिम्ब

6.7 रसलीन के काव्य में संभोग निरूपक चित्ताकर्षक बिम्ब

6.8 घनानन्द के काव्य में संभोग निरूपक चित्ताकर्षक बिम्ब

6.9 रसलीन के रति-क्रीड़ा परक काव्य बिम्ब घनानन्द की तुलना में

6.10 निष्कर्ष

सप्तम अध्याय

घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में वियोग शृंगार निरूपक बिम्बों का तुलनात्मक मूल्यांकन

7.1 विषय प्रवेश

7.2. घनानन्द तथा रसलीन के काव्य बिम्बों में वियोग शृंगार का स्वरूप

7.2.1 रसलीन के काव्य बिम्बों में वियोग शृंगार का स्वरूप

7.2.1.1.रसलीन के काव्य में पूर्वराग निरूपक बिम्ब

7.2.1.2.रसलीन के काव्य में मान निरूपक बिम्ब

7.2.1.3.रसलीन के काव्य में प्रवास जन्य विरह वेदना निरूपक बिम्ब

7.2.2. घनानन्द के काव्य बिम्बों में वियोग शृंगार का स्वरूप

7.2.2.1.घनानन्द के काव्य में पूर्वराग निरूपक बिम्ब

7.2.2.2.घनानन्द के काव्य में मान-निरूपक बिम्ब

7.2.2.3.घनानन्द के काव्य में प्रवास-जन्य विरह वेदना निरूपक बिम्ब

7.3 घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में विरह की अन्तर्दशा निरूपक बिम्ब

7.3.1 अभिलाषा जन्य विरह निरूपक बिम्ब

7.3.2 चिन्ता निरूपक बिम्ब

7.3.3 स्मृति जन्य विरह निरूपक बिम्ब

7.3.4 गुणकथन निरूपक बिम्ब

7.3.5 उद्वेग निरूपक बिम्ब

7.3.6 प्रलाप निरूपक बिम्ब

7.3.7 उन्माद निरूपक बिम्ब

7.3.8 व्याधिजन्य विरह निरूपक बिम्ब

7.3.9 जड़ता निरूपक बिम्ब

7.3.10 मरण दशा निरूपक बिम्ब

7.4. निष्कर्ष

अष्टम अध्याय

मानक काव्य-बिम्बों के सन्दर्भ में घनानन्द तथा रसलीन की कारयित्री प्रतिभा का तुलनात्मक मूल्यांकन

8.1 विषय प्रवेश

8.2 घनानन्द तथा रसलीन के मानक बिम्बों का भाषिक सौष्ठव

8.3. घनानन्द तथा रसलीन के काव्य में लोकोक्ति तथा मुहावरों के आलोक में मानक बिम्बों का नियोजन

8.4 बिम्ब नियोजन व बिम्ब सौष्ठव पर आधृत घनानन्द व रसलीन की कारयित्री प्रतिभा का तुल्नात्मक मूल्यांकन

8.5 सौन्दर्य-भावानुभूति के 'मानक बिम्ब'

8.6. बिम्ब और संगीत-लय निकष :'लय' भावोच्छवासों की चित्रलिपि

8.7. घनानन्द तथा रसलीन के मानक बिम्बों में सूक्ष्म सौन्दर्य का चित्तकर्षक संश्लिष्ट चित्रण

8.8 निष्कर्ष